श्रीफल देने का नियम

1. आपको दो श्रीफल दे रहे है।
2. एक नवरात्रि संकल्प आर्शीवाद का।

   दूसरा अमावस पूनम नियम का।
3. दोनों की स्थापना पूनम को करना है।
4. एक अगली नवरात्रि तक रखना है।
5. दूसरा अमावस या पूनम को बदलना हैं। (आपके नियम के अनुसार जो भी हो)
6. **मंत्र जाप :– क्लीं क्लीं स्वाहा**

   (एक के लिए 9 बार कम से कम)
7. समय :– सुबह 12:30 से पहले करना है।
8. विशेष परिस्थिति में त्रिकाल संध्या में करें।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)
28, विद्यानगर, उज्जैन (म.प्र.) पिन : 456010
Only WhatsApp Msg: +91-9424870644
Website//www.sanjayjain-guruji.com
E-mail: gurujishrisanjayjain@gmail.com